हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 फरवरी 2025

स्वयंसेविकाओं ने शिविर में की मदद

राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्या अल्का गुलाटी के निर्देशन में एनएसएस कैंप का आयोजन किया गया है। इस कैंप के तहत स्वयंसेविकाओ की टीम दिव्यांगों के लिए छुड़ानी में आयोजित जांच शिविर में भाग लेने पहुंची।चिकित्सा टीम तथा दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललिता ने कहा कि ऐसे आयोजन बहुत जरूरी है।

स्वास्थ्यवर्धक है लस्सी

भारतीय ग्रामीण खान-पान में लस्सी खास अहमियत रखती है। लस्सी में कैल्शियम, विटामिन डी, और लैक्टिक एसिड होता है। यह हड्डियों को मजबूत करती है, दांतों का स्वास्थ्य बेहतर करती है, और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाती है। लस्सी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि अब ज्यादातर युवा लस्सी के स्थान पर बाजार में बिकने वाली कोल्ड ड्रिंक को महत्व देने लगे हैं, जबकि कोल्ड ड्रिंक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक पेय पदार्थ है।

ग्रामीण जनजीवन पर शहरीकरण हावी

- हरियाणवीं रीति-रिवाजों व खानपान पर पड़ रहा आधुनिकता का असर
- यातायात, इंटरनेट, दूरसंचार और वैश्विकरण ने ग्रामीणों के विचारों और कामकाज को किया है प्रभावित

आधुनिकता

राज कुमार नरवाल

हरियाणा में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। सड़कों की हालत में काफी सुधार हुआ है। जगह-जगह नए-नए राष्ट्रीय राजमार्ग बन गए हैं। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर जाने में अब बहुत ही कम समय लगने लगा है। इंटरनेट व मोबाइल फोन की वजह से हरियाणा के लोग विदेश में बैठे लोगों से भी संपर्क में हैं। पढ़-लिखकर गांवों में रहने वाले परिवारों के बच्चों के विचारों में भी फर्क आया है। वे अब मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने लगे हैं। देश और विदेश में नौकरियां कर रहे हैं।

हरियाणा के गांवों में बसने वाले लोग अब केवल खेती पर ही निर्भर नहीं रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट नौकरियों में काम कर रहे हैं। खुद के उद्योग लगा रहे हैं। अब वैश्विकरण का असर हरियाणा के गांवों पर भी पड़ा है। अब कोई भी देश दूर नहीं लगता। देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ गई है। पहले जहां अपने देश में ही किसी दूसरी जगह पर जाने में कई कई दिन लग जाते थे लेकिन अब कुछ घंटों में ही एक राज्य से दूसरे राज्यों में पहुंच रहे हैं। इस सबका असर गांवों में बसने वाले लोगों पर भी पड़ा है। यहां का खान-पान व रहन-सहन और संस्कृति बदल गए हैं।

यहां पहले वाले रीति-रिवाज भी नहीं रहे। दरअसल, अब गांवों में भी शहरों जैसा ही रहन-सहन और खान-पान हो गया है। विश्वभर में हमारे नौजवान व्यापार व रोजगार के लिए पहुंच रहे हैं। वे विदेशी मेम को शादी करके गांव में ला रहे हैं। लड़कियों की कमी के चलते बहुत से युवाओं की शादी नहीं हो रही। इस कारण यहां के नौजवान बिहार व देश के अन्य राज्यों से बहुएं ला रहे हैं। बाहर से आने वाली इन बहुओं को हरियाणवीं संस्कृति का ज्ञान नहीं है। पढ़ाई के लिए शहरों में जाने वाले युवक-युवतियां अब देसी खान-पान छोड़कर चटपटा खान-पान अपना रहे हैं।

डिब्बाबंद वस्तुओं का प्रचलन बढ़ गया है। हर साल गांवों से कुछ परिवार खेती किसानी और पशुपालन का धंधा छोड़ रहे हैं। पहले गांवों में बसने वाले किसान दूध व घी बेचते नहीं थे। अब गांवों में भी लोगों को घी दूध और लस्सी के लाले पड़ गए हैं। ब्याह शादी व त्योहारों से जुड़े रीति-रिवाज खत्म होते जा रहे हैं। नई परंपराएं शुरू हो रही हैं। पुरानी परंपराएं छूट रही हैं। ब्याह शादी में जो सादा खाना होता था, अब तरह-तरह के पकवान बनने लगे हैं। देसी घी की बजाए अब वनस्पती घी और रिफाइंड का इस्तेमाल ब्याह में पकवान बनाने में होने लगा है।

डीजे की धमक पर थिरक रहे युवा

शादी के समय शहनाई या परंपरागत बाजा बजाया जाता था। अब नई पीढ़ी डीजे की धमक पर थिरक रही है। गांव में बसने वाले लोग आरामपरस्त हो गए हैं। वे भी एसी गाड़ियों में चलते हैं और गांवों में भी अब वातानुकूलित उपकरण पहुंच गए हैं। शहरों की तरह ही अब लोग घरों में ही रहते हैं। गलियों में एक-दूसरे के पास बैठकर अब कम ही बातचीत करते हैं। गर्मियों में तो गांवों की गलियां पूरी तरह सुनसान रहने लगी हैं। किसी जमाने में गांवों की गलियां दिनभर गुलजार रहती थी। शहरों में पढ़ाई करने वाले नौजवान युवक-युवतियों का आचार-विचार शहरों जैसा ही हो गया है। बहुएं भी पढ़-लिखकर नौकरीपेशा हो गई हैं। इस कारण अब गांवों में महिलाएं खेतों में कम और बाहर नौकरी करने के लिए अधिक संख्या में जाती हैं।

अब रात को नहीं रुकते रिश्तेदार

छुट्टियों में बच्चे अपनी माताओं के साथ ननिहाल में जाते थे। लेकिन अब बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ हो गया है कि ट्यूशन आदि के चक्कर में वे ननिहाल नहीं जा पाते। लगभग प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना वाहन हो गया है और साफ सुथरे रोड बने हैं। इस वजह से अब लोग अपनी रिश्तेदारी में रुकने की बजाए रात तक अपने घर पहुंचना ही उचित समझते हैं। पहले यातायात साधनों का अभाव था। शाम तक घर लौटना मुमकिन नहीं होता था। अब लोग रिश्तेदारी में नहीं रुकते।

घर द्वार पर पहुंचने लगा सामान

जरूरत का सामान बेचने वाली कंपनियों ने अब गांवों तक भी अपनी पहुंच बना ली है। सबकुछ सामान की ऑनलाइन बिक्री हो रही है। कूरियर कंपनियों में कार्यरत युवा गांवों में भी सामान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण कभी-कभार ही सामान लेने के लिए बाजार जाते थे। अब तकरीबन सामान घर के आगे ही बिक्री के लिए पहुंच रहा है। गाड़ियों में लोग आवाज लगाकर सामान बेच रहे हैं। सब्जियां तक वाहनों में घरद्वार पर बिकने लगी हैं।

शीत-राबड़ी की जगह कोल्ड ड्रिंक

गांवों में दूध, शीत, राबड़ी, दलिया और लाप्सी जैसे खान-पान होते थे। लेकिन अब उनकी जगह कोल्ड ड्रिंक ने ले ली है। बोतलों में विभिन्न कंपनियों के ठंडे पेय पदार्थ अब यहां भी प्रयोग होने लगे हैं। कभी गांव के लोगों को चाय के स्वाद का पता तक नहीं होता था लेकिन अब गांवों के लोग जमकर चाय पीते हैं और कॉफी भी गांवों में पी जाने लगी है।

इसके अतिरिक्त, पहले गांवों में बच्चों के लिए तरह तरह के खेल-तमाशे होते थे। उदाहरण के तौर पर जादू के खेल, बंदर व भालू के खेल और चित्र दिखाने के लिए बारहमन की धोबण आदि अनेक तरह के खेल तमाशे होते थे। अब ये सब खत्म हो गए हैं। बड़ों के लिए सांग, रामलीला और रागनियों के कार्यक्रम होते थे। लेकिन अब वे पुराने कहानी और किस्से सुनने और सुनाने वाले ही नहीं रहे।

कविता

कुमार

परिवार और समाज

परिवार सै पहली पाठशाला,
संस्कारां की में मिले उजाला।
मां-बाप सिखावें चाल सिधी,
सच्चाई अर मेहनत की रीत गहरी।

परिवार बिना जीवन अधूरा,
हर भी सुख भी लागे मजबूरा।
भाई-बहन का प्यार न्यों,
सावन में बरसात की ज्यों।

बूढ़े दादा-दादी का साया,
उनकी सीख में सब पाया।
वो अनुभव का सच्चा ज्ञान,
रखै परिवार की साख महान।

मिल-जुल रहणा परिवार सिखावे,
बड़ों की इज्जत, छोट्यां तै प्यार करावे।
हर रिश्ते में अपनापन होवे,
दिल में सच्चा सम्मान होवे।

समाज सै इंसान की पहचान,
इसी में बसै सारी शान।
मिलकै रहें, मिलकै बढ़ें,
सुख-दुख में संग रहें।

समाज बिना ना कोई अकेला,
हर कोई लागे एक दूजे का चेला।
बड़े-बुजुर्ग का काम समझावणा,
सच्चे न्याय के राह दिखावणा।

शिक्षा, सेवा अर सहयोग,
समाज में रहकै मिलै ये योग।
नेकी करै अर बात सिधी,
समाज बनावै जिंदगी ऊंची।

एकता, प्रेम अर भाईचारा,
समाज का सच्चा उजियारा।
ईमानदारी अर आदर की डोर,
इसी में बसै समाज का जोर।

जो हो परिवार समाज का संग,
तो 'कुमार' जिंदगी स मीठा रंग।
इनके बिना अधूरा जीवन,
इनमें ही सच्चा सुख-दर्शन।

रागनी

सत्यवीर नाहड़िया

हरियाणे की बोली धाकड़...

भास्सा बरगी भोत पुराणी,जाणै दुनिया सारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कोय हरियाणवी कह दे अर कह कोये हरयाणी।
जितनी बोल्ली सैं दुनिया म्हं,उन म्हं आग्गै पाणी।
गीत-रागणी कथा-कहाणी,छप ल्यी इस म्हं भारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

जुगां-जुगां तै इस बोल्ली नै चोक्खी साख बणाई।
बोल्लीबुड लग इस बोल्ली नै,अपणी धाक जमाई।
हिंदी माई की या माई,न्यूँ नान्नी सै म्हारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

किते बाँगरू किते बागड़ी,रूप खादरी ध्यावै।
किते मिवाती किते कौरवी,किते बिरज रै छावै।
किते हीरबाट्टी रै पावै,लटक सभी की प्यारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़, जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

साँग निराळे इस म्हं गुँज्जे,आज तलक न्यूँ कड़कै।
भास्सा बणकै रह या बोल्ली,आज नहीं तै तड़कै।
कह 'नाहड़िया' दिल म्हं धड़कै,माँ-बोल्ली लयकारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कविता

डा. विकास यशकीर्ति

विश्व कै नक्शै पै छाया

देवभूमि सै या म्हारी,
सै हरि का आणा जाणा।
विश्व कै नक्शै पै छाया,
सै मेरा प्यारा हरियाणा।।

शान आपणी बोरला सै,
और बावन गज का दामण।
नाक तोड़े सासुआ का,
झूल कै हाम पूरा सामण।
वेद आयुर्वेद म्हारा ही रहा मंतर पुराणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

बांध कै ऊंची सी पगड़ी,
हाथ मैं ले कै नै लाठी।
जूतियां की चरचराहट,
लांबी तगड़ी कद ओ काठी।।
देख कै नै म्हारा टोरा,
कौन लांघेगा सीमाणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

मोरनी हिल स्वर्ग जैसी,
बण गई पहचान आपणी।
बन गई कुरुक्षेत्र नगरी,
आन बानो शान आपणी।।
युग युगा सै ही रहा सै,
देवताओं का ठिकाणा।।
विश्व के नक्शे पै सै छाया...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

इतिहास

मराठों ने अपने विश्वासपात्र सैन्य अधिकारी आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी

दो शताब्दी पूर्व भी बनाया गया था हरियाणा राज्य

रोचक

यशपाल गुलिया

यह पढ़कर पाठकों को बड़ा आश्चर्य होगा कि लगभग 230 वर्ष पहले भी एक बार हरियाणा नामक स्वतन्त्र राज्य स्थापित किया गया था, जब दिल्ली बादशाह शाहआलम मराठों के संरक्षण में था तो मराठों ने अपने विश्वास पात्रों को जागीर प्रदान की थी। उसी क्रम में उन्होंने अपने एक सैन्य अधिकारी को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी। वह अधिकारी मूल रूप से आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस था।

झज्जर मुगल काल से ही एक शासकीय परगना बना रखा था। उस आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस ने झज्जर ग्रहण करते ही कड़ाई से भूमिकर वसूलना आरम्भ कर दिया तथा एक दो-वर्षों में ही अपनी एक सेना गठित कर ली। वर्ष 1795-96 में उसने लगान न देने के कारण बेरी वासियों पर बल का प्रयोग किया। लेकिन बेरी वासियों ने अपनी गढ़ी में इकट्ठे होकर जॉर्ज की सेना के साथ एक दिन का रक्त रंजित युद्ध किया। उसके बाद जॉर्ज ने झज्जर से पांच मील की दूरी पर एक नया किला बनाकर सैन्य शक्ति बढ़ा ली। उस किले का नाम अपने नाम पर जॉर्जगढ़ रखा जहां आजकल जहाजगढ़ गांव बसा हुआ है। फिर जॉर्ज थॉमस एक शक्तिशाली देशी शासक के तुल्य बन गया और अपना क्षेत्र बढ़ाने पर आमादा हो गया। इस प्रकार वह मराठों से भी स्वतन्त्र होने लगा और सैन्य शक्ति के बूते से महम, हांसी, हिसार से भी आगे तक क्षेत्र पर अधिकार कर बैठा। लेकिन झज्जर व बेरी क्षेत्र के निवासियों के उत्पाति तेवर देकर उसने अपना मुख्यालय भी हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। इस प्रकार जॉर्ज थॉमस ने वर्ष 1797 के आस-पास अपना पूर्णतया स्वतन्त्र राज्य घोषित कर दिया। आयरलैंड की तर्ज पर नये राज्य का नाम ग्रीनलैंड अर्थात हरियाणा रख दिया। इसका क्षेत्र दिल्ली सूबे की सीमा से आरम्भ होकर फतेहाबाद तक 800 गांवों का था। हरियाणा राज्य स्थापित करके जॉर्ज थॉमस ने हांसी को नये राज्य की राजधानी बना लिया। जॉर्ज की जीवनी तथा अन्य अंग्रेजों द्वारा लिखी गई पुस्तकों में तत्कालीन हरियाणा का मानचित्र स्पष्ट दिया गया है। इसमें राजधानी हांसी भी लिखा गया है। हांसी मुख्यालय बनाने के बाद जॉर्ज आस-पास के सिख राज्यों जैसे जीन्द, कैथल व पटियाला तक धावे बोलने लग गया। सिख शासकों के साथ जॉर्ज ने कई बार युद्ध भी किए थे तथा अपने नाम से मुद्रा-सिक्के भी चलाए थे। वर्ष 1799 के आस-पास जॉर्ज ने एक बड़ी सेना इकट्ठी कर ली थी जिसके झज्जर के किले जॉर्जगढ़ व हांसी के किलों में पड़ाव लगाए थे।

स्वयं जॉर्ज ने अपने लिए एक कोठी हिसार में बनवाई थी जो आज तक यथावत है। उस कोठी को जहाज कोठी के नाम से जाना जाता है लेकिन जॉर्ज के इतना शक्तिशाली हो जाने तथा स्वतन्त्र शासक बन जाने पर मराठों को दिल्ली के लिए भी खतरा प्रतीत होने लगा। तब उनके फ्रान्सीसी सेनापति जरनल पैरो ने जॉर्ज पर आक्रमण कर दिया। अक्तूबर 1801 में वर्तमान जहाजगढ़ वाले स्थान पर भीषण युद्ध आरम्भ हो गया।

जॉर्ज थॉमस व उसके तीन यूरोपियन सेनापतियों ने मराठा सेना से महीनेभर तक युद्ध किया। बेरी, मोहम्मदपुर माजरा, पलडा व भारावास की थली क्षेत्र में युद्ध होता रहा। अन्त में जॉर्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। वहां भी मराठा सेना पीछा करती हुई 21 नवम्बर को पहुंच गई। फिर लगभग 15 दिनों तक जॉर्ज ने हांसी में भी युद्ध किया।

अन्ततः दिसम्बर 1801 में हरियाणा के राजा कहलाने वाले जॉर्ज थॉमस ने मराठा सेना के सामने सशर्त समर्पण कर दिया। फिर अपने देश आयरलैंड को जाते हुए मार्ग में ही अगस्त 1802 में ही जॉर्ज का निधन हो गया। आश्चर्यजनक रूप से हरियाणा संस्थापक व उपरोक्त भीषण युद्धों को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। जॉर्ज की भारतीय पत्नी ने उसके साथ आयरलैंड जाने से इनकार कर दिया था। इसलिए अपने बीवी-बच्चों को कुछ धनराशी देकर जॉर्ज बेगम समरु के पास सरधना में छोड़ गया था। वह आयरलैंड के टिपरेरी प्रान्त का मूल निवासी था, जो 1781 में मद्रास पहुंच गया था।

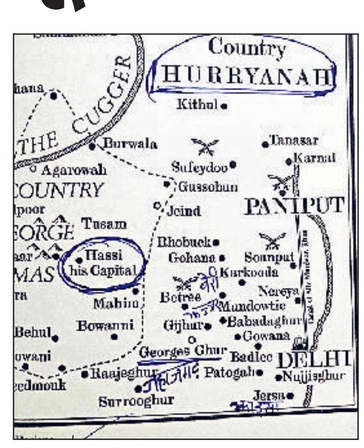

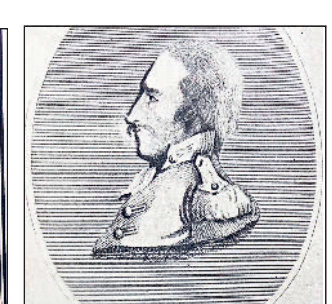

230 साल पहले हरियाणा के राजा जॉर्ज थॉमस तथा उन द्वारा स्थापित हरियाणा का नक्शा। इसमें राजधानी हांसी दिखाई गई है।

हास्य कला में छिपे हैं समाजोत्थान के संदेश : रेणू दूहन

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोक कला एवं संस्कृति को जीवंत रखने की दिशा में लेखक, लोक कलाकार, गीतकार अलग-अलग विधाओं में अपनी कलाओं की अलख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगाने में जुटे हुए हैं। ऐसे ही कलाकारों में युवा महिला कलाकार रेणू दूहन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों और संस्कृति के साथ सामयिक घटनाओं पर आधारित लेखन तथा लोक कला के प्रदर्शन से खासकर युवा पीढ़ी को नई दिशा देने का प्रयास करती आ रही हैं। कविता के साथ अभिनय, हास्य-व्यंग्य तथा मिमिक्री से पहचान बनाने वाली कलाकार रेणू दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने समाज कल्याण और संस्कृति के संवर्धन में कलाकारों की अहम भूमिका निभाने का संदेश दिया है। रेणू दूहन का जन्म 17 अक्टूबर 1995 को हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में रमेश दूहन और वीना दूहन के घर में हुआ। जब वह पांच साल की थी, तो उनका परिवार जींद आकर रहने लगा। उनके घर में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उनके पिता और भाई व्यापार करते हैं। तीन भाई-बहनो में उसका भी एक लड़के की तरह पालन पोषण किया गया। किसी बात में या कुछ भी करने से पहले उसे कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह एक लड़की है। इन्हें बचपन से ही लोक अभिनय में अभिरुचि रही, लेकिन उनके परिवार वालों को उनका कला के क्षेत्र में भागीदारी करना अच्छा नहीं लगा। बकौल रेणू दूहन बचपन से ही उन्हें मंच का बहुत शौक था। स्कूल में हर शनिवार को होने वाली बाल सभा में उन्हें एंकर बनाया जाता था। उन्होंने कई बार कविता, निबंध लेखन, नाटक, नृत्य आदि में भागीदारी की। जब वह कालेज में पढ़ रही थी तो उनकी कला को देखकर कई शिक्षिकाओं ने उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित करके मदद की। रत्नावली फेस्टिवल में अपने कॉलेज से वही जाती थी। उसने अपने चाचा की मदद से कविता लिखी, जो राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान पर रही। इससे उनका लोक साहित्य के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। इसी से प्रेरित होकर साल 2015 से उसने लिखना शुरू किया। रेणू दूहन हास्य व्यंग्य और कविताएं भी लिखती हैं तो उनके इस हास्य में भी समाज के लिए कुछ न कुछ ऐसे संदेश छिपे होते हैं जो नशे की तरफ जाते आज के युवाओं को जागरूक करके उन्हें सही राह दिखाने का काम करते हैं। उनके लेखन, अभिनय या फिर हास्य व्यंग्य का फोकस समाज को सकारात्मक ऊर्जा देने की दिशा में ही रहा है, ताकि खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ी रहे। थिएटर कार्यशाला के अलावा रेणू यूथ फेस्टिवल में भी हिस्सेदारी करती रही हैं और कॉलेज कार्यशाला में नई प्रतिभाओं को भी लोक कला व संस्कृति के प्रति उन्हें प्रशिक्षण देने का काम किया है। इस आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर उनका कहना है कि यदि हम समाज के लिए अच्छा नहीं कर रहे या लिख रहे हैं तो हमारी लेखनी का कोई फायदा नहीं।

ये मिले पुरस्कार

रेणू दूहन को स्कूल व कालेज की शिक्षा के दौरान ही कविता व चुटकुले आदि लिखने और नुक्कड नाटक करने, रंगमंच के लिए राज्य स्तर पर दो बार चुटकुलों के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनय के क्षेत्र में रत्नावली फेस्टिवल में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया। निबंध प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार और कविता लेखन में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

ऐसे मिली करियर को मंजिल

हास्य कलाकार रेणू दूहन ने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में वह पहले से ही अभिरुचि रखती थी। उनका पहला यूट्यूब वीडियो बहन-भाई का प्यार रक्षाबंधन को लेकर था, जिसमें उसने बहन का किरदार निभाया। ऐसे वीडियो में वह लगातार बहन की ही भूमिका में अभिनय कर रही हैं। वह कुरुक्षेत्र के रत्नावली, नुक्कड़ नाटक आदि में हिस्सा लेती रही। उन्होंने हरियाणवी फिल्म 'बहू काले की' में बहन का किरदार निभाया है। वहीं, वेबसीरिज डिजिटल ताई के अलावा स्टेज एप पर करीब एक दर्शन स्टैंडअप कॉमेडी शो किए हैं। पांच सालों से वे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में भी अपनी कला के रंग बिखेर रही हैं। स्टेज एप ओटीटी के लिए उनके पहले स्टैंडअप कॉमेडी शो के रिलीज होने के 3-4 दिन में ही उसे लाखों लोगों ने देखा। इससे लोकप्रियता मिली। हास्य कलाकार रेणू दूहन ने साल 2019 में आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में भी अपनी कला का प्रदर्शन करके हरियाणवी संस्कृति की अलख जगाई है। रेणू का कहना है कि हमारा कंटेंट ऐसा होना चाहिए जो पूरा परिवार एक साथ मिलकर देख सके। कई बार आज का युवा लोकप्रिय होने के लिए कुछ भी करने को तैयार है तो कि बहुत गलत है।

खबर संक्षेप

स्व. नफे सिंह राठी की श्रद्धांजलि सभा कल

बहादुरगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. नफे सिंह राठी की बरसी पर मंगलवार 25 फरवरी को नजफगढ़ रोड स्थित राठी फार्म में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी इनेलो जिला कार्यकारी अध्यक्ष रामनिवास सैनी ने दी। उन्होंने बताया कि स्व. नफे सिंह राठी को श्रद्धांजलि देने के लिए इस सभा में काफी लोग पहुंचेंगे। स्व. नफे सिंह राठी दो बार बहादुरगढ़ नगर परिषद के चेयरमैन व दो बार बहादुरगढ़ हलके के विधायक रहे। उन्होंने कहा कि स्व. नफे सिंह राठी ने सदैव जनता के हकों की आवाज उठाई और अपने कार्यकाल के दौरान हलके का चहुंमुखी विकास कराया। अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचेंगे और श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

स्व. नफे सिंह राठी।

श्रीमद्भागवत कथा 21 मार्च से

बहादुरगढ़। शहर के बसंत विहार में आगामी 21 मार्च से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए पंडित महेश चंद्र बृजवासी ने बताया कि मेला ग्राउंड के निकट बसंत विहार की गली नंबर आठ में यह आयोजन होगा। आगामी 21 मार्च की सुबह शक्तिपीठ देवी मंदिर से महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा कथा आयोजन स्थल तक पहुंचेगी। कलश स्थापना के बाद कथा आरंभ होगी। बाबा कालीदास महाराज मुख्य अतिथि होंगे। जबकि पंडित दाऊ दयाल बृजवासी श्रोताओं को कथा का रसपान कराएंगे। आगामी 21 से 27 मार्च रोजाना दो से शाम छह बजे तक कथा सुनाई जाएगी। फिर 28 मार्च को भंडारे का आयोजन होगा।

शिक्षक अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में रविवार को शिक्षक अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा बाल वाटिका से आठवीं तक के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम के बारे में अभिभावकों से उनकी शैक्षणिक व आदतों के बारे में चर्चा की गई। अभिभावकों ने विद्यालय पहुंच कर बच्चों का परीक्षा परिणाम जाना। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने अभिभावकों आश्वस्त किया कि इस प्रकार के आयोजन स्कूल में निरंतर होते रहेंगे।

परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने के दबाव में विद्यार्थी हो सकते हैं एग्जाम फोबिया का शिकार

- शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को दी जा रही बच्चों को स्ट्रेस फ्री रखने की सलाह
- बच्चों को तनाव मुक्त रखने के लिए निर्धारित करना होगा पढ़ाई व खेल का टाइम टेबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों पर बेहतर अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने का दबाव बना है। परीक्षाओं के दबाव में विद्यार्थियों द्वारा भी लगातार दिन-रात एक करते हुए पढ़ाई की जा रही है। ऐसे में कुछ विद्यार्थियों को एग्जाम फोबिया का शिकार होने का खतरा भी बना है। विषय विशेषज्ञों व शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को स्ट्रेस फ्री होने की सलाह देते हुए उन्हें तनाव मुक्त रहने के उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। जिले के कुछ स्कूलों में इसके लिए काउंसलर की नियुक्ति भी की गई है जो पढ़ाई व अन्य गतिविधियों के बीच तालमेल बनाए रखने के तरीकों से विद्यार्थियों को अवगत करा रहे हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिकंदरपुर में कार्यरत प्राध्यापिका पिंकी जाखड़ ने बताया कि अभिभावकों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने बच्चे पर दबाव न बनाएं। दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना न करें इससे न केवल उसके दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है बल्कि उसकी सेहत भी बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि जो सवाल कठिन लगते है उनका बार बार अभ्यास करें। बिना किसी दबाव के एकाग्रता से पढ़ाई करें। वहीं जिला अर्श काउंसलर संदीप जांगड़ा ने बताया कि बच्चों को स्ट्रेस फ्री होकर परीक्षा देना जरूरी है। उसे स्ट्रेस फ्री रखने की भूमिका में अभिभावकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहती है। अभिभावकों को चाहिए कि वे समय-समय पर अपने बच्चों का मनोबल बढ़ाते रहें तथा पढ़ाई के साथ-साथ उसके खेलने व अन्य मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होने का टाइम टेबल भी निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार बच्चे को उसकी पसंदीदा गतिविधि जैसे गाने सुनना, डांस करना या टीवी देखना आदि करने दें। बच्चों को नियमित व्यायाम व कम से कम बीस मिनट की वॉकिंग भी कराएं जो उन्हें स्वस्थ रखने में सहायक साबित होगा। इन सबके अलावा बच्चे को पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेने के लिए कहें और उसे नींद लेने का भी भरपूर मौका दें। कम से कम छह घंटे की नींद लेना बच्चों के लिए जरूरी है। नींद की कमी से भी बच्चों में स्ट्रेस बढ़ता है और उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है।

झज्जर। पिंकी जाखड़, प्राध्यापिका, संदीप जांगड़ा, जिला अर्श काउंसलर।

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जयंती पर हवन एवं सम्मान समारोह का आयोजन

महर्षि दयानंद के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

महर्षि दयानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खुड्डन में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जयंती के अवसर पर हवन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरुकुल झज्जर से आचार्य विजयपाल ने मार्गदर्शन किया और हवन संपन्न करवाया। आचार्य विजयपाल ने महर्षि दयानंद जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए और सभी को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने यज्ञोपवीत धारण करवाकर इसके प्रत्येक धागे के महत्व को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक निपुण हरियाणा डॉक्टर सुदर्शन पुनिया ने भी उपस्थित अध्यापकों और अभिभावकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और रीति-रिवाजों को संजोए रखना चाहिए तथा महर्षि दयानंद के सपनों के अनुरूप मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर प्ले विंग के विद्यार्थियों को शिक्षा एवं सह-पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य रामनिवास गहलावत, प्रबंधन समिति के सदस्य रमेश डेरोलिया, सुरेंद्र कोडान, सुदेश पुनिया, शैक्षणिक प्रभारी डॉक्टर राजबीर सहवाग सहित स्टॉफ के अन्य सदस्यों में हवन में आहुति डालते हुए स्वामी जी के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

झज्जर। हवन में आहुति डालते हुए स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

पोस्टर, स्लोगन बनाकर स्वामी दयानंद को नमन किया

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की स्वयंसेविकाओं ने पोस्टर व स्लोगन बनाकर महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने अपने विचारों के माध्यम से महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती आधुनिक भारत के महान चिंतक, समाज-सुधारक थे। महात्मा गांधी जैसे कई वीर पुरुष स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रभावित थे। वर्ष 1875 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की। उन्होंने 1857 की क्रांति में भी अपना अमूल्य योगदान दिया। अंग्रेजी हुकूमत से जमकर लोहा लिया। स्वामी दयानंद सरस्वती वैदिक धर्म में विश्वास रखते थे। उन्होंने राष्ट्र में व्याप्त कुरीतियों एवं अंधविश्वास का सदैव विरोध किया। उन्होंने समाज को नई दिशा व वैदिक ज्ञान का महत्व समझाया। इस अवसर पर आकांक्षा, दीप्ति, ज्योति, सविता आदि ने पोस्टर व स्लोगन बनाकर नमन किया। कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस इकाई द्वारा किया गया।

स्लोगन दिखाती छात्रा।

बहादुरगढ़। महिलाओं को संबोधित करती बीके अंजलि। फोटो :हरिभूमि

कानोंदा में हुआ शिव जयंती कार्यक्रम

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अग्रवालकॉलोनी सेवा केंद्र द्वारा कानोंदा गांव में शिव जयंती का कार्यक्रम किया गया। प्रधान विकास ने सभी गांव वासियों को शिव जयंती की बधाई देते हुए कहा कि सभी त्योहार हमारे जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। हमें इन त्योहारों को मिलजुल कर मनाना चाहिए और गांव के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। मुख्य संचालिका बीके अंजलि ने कहा कि भगवान शिव हम आत्माओं के पिता बन के पालन कर रहे हैं। शिक्षक बनकर पढ़ा रहे हैं और सतगुरु बनके हमें ज्ञान धारण करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिव जयंती वाले दिन हम व्रत रखते हैं। इसका मतलब हमें खाने-पीने का व्रत नहीं बल्कि बुराइयों का व्रत करना चाहिए, शिव जयंती वाले दिन हम भगवान शिव को बेर अर्पण करते हैं। इसका अर्थ है कि हमें अपने जीवन से वैर-भाव मिटाकर सहयोग, स्नेह और प्रेम जैसे गुणों को अपनाना चाहिए। सुरेंद्र, सुभाष और रोहताश ने सभी गांव वासियों को शिव जयंती की बधाई दी।

एचडी साल्हावास में 842 विद्यार्थियों ने दी द्वितीय चरण की छात्रवृत्ति परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को एच डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में मेगा स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का द्वितीय चरण आयोजित किया गया। जिसमें आस-पास के 72 गांवों के 842 विद्यार्थियों ने अगली कक्षा में दाखिले के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई। एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि स्कॉलरशिप टेस्ट के लिए आए सभी विद्यार्थी और अभिभावकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। वहीं विद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में अभिभावकों की मीटिंग लेते हुए एच डी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया ने नए सत्र में दी जाने वाली आधुनिक सुविधाओं से अवगत कराते हुए बताया कि उनका संस्थान ग्रामीण आंचल की प्रतिभाओं को निखार कर उनका भविष्य सुरक्षित कर रहा है। अब विद्यालय में ही आईआईटी, नीट, एनडीए, वीवीएम, क्लैट, सीए की निशुल्क कोचिंग दी जा रही है। विद्यालय के खेल परिसर में हैंडबॉल खेल नर्सरी, बास्केटबॉल कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, शूटिंग रेंज, वॉलीवाल ग्राउंड,बैडमिंटन कोर्ट, दौड़ लगाने का ट्रैक आदि सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना और उन्हें रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना प्रबंधन समिति का मुख्य उद्देश्य है।

झज्जर। एच डी विद्यालय में परीक्षा देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

तपस्वी शर्मा को सौंपी जनमंच पत्रकार संघ की जिम्मेदारी

झज्जर। रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में जनमंच पत्रकार संघ की बैठक संघ के वरिष्ठ सदस्य जगदीप राज्याण की अध्यक्षता में हुई। जिसमें पत्रकार हितों से संबंधित कई प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में संघ की मजबूती एवं विस्तार के साथ-साथ पत्रकार हितों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इन चर्चाओं में पत्रकारों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा के तरीकों पर भी गहन विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा पत्रकारिता के मूल्यों एवं सामाजिक उत्थान के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी रुपरेखा तैयार की गई। इस दौरान संघ की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से तपस्वी शर्मा को प्रधान, मुकेश शर्मा को वरिष्ठ उप-प्रधान, दिनेश मेहरा को महासचिव, भारत भूषण को सचिव, राहुल चौहान को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेवारी सौंपी गई। जबकि अमित पोपली, देवेंद्र शुक्ला, रवि हसीजा व जगदीप राज्याण संरक्षक के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। संगठन के नवनियुक्त प्रधान तपस्वी शर्मा ने सभी साथियों का आभार जताते हुए कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है, उसे सभी साथियों के साथ मिलकर निभाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं सभी साथियों के साथ विचार विमर्श कर कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित जनमंच पत्रकार संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य। फोटो :हरिभूमि

वार्षिकोत्सव में होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। पैरामाउंट ग्रुप की शाखा कासनी में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ संस्था के चेयरमैन मंजीत फौगाट और निदेशक इंद्रजीत फौगाट द्वारा किया गया। समारोह में कक्षा नर्सरी से कक्षा बाहरवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती और गणेश वंदना के साथ की गई। बाद में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने पंजाबी, हरियाणवी व देशभक्ति गीतों पर अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के उपरांत होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के चेयरमैन मंजीत फौगाट ने बताया कि संस्था की ओर से इस तरह के कार्यक्रम समय समय करवाए जाते है। इस तरह के आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा में भी निखार आता है तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम मंच पर उपस्थित बीके अंजलि, विधायक गजेंद्र व अन्य। फोटो :हरिभूमि

महाशिव रात्रि का आध्यात्मिक महत्व समझाया

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के टिकरी सेवाकेंद्र में महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा और उमंग के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गजेंद्र सिंह, अरुण और राजेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधायक गजेंद्र ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने बहादुरगढ़ क्षेत्र की मुख्य प्रभारी ब्रह्माकुमारी बीके अंजलि को उनकी हीरक जयंती पर हार्दिक बधाई दी और उनके दीर्घायु जीवन की कामना की। बीके अंजलि ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि परमपिता परमात्मा शिव निराकार हैं और सर्वोच्च स्थान पर विराजमान हैं। वे ही सर्व धर्मों द्वारा मान्य परमात्मा हैं। बीके अमृता ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश देते हुए कहा कि इस दिन व्रत रखने का वास्तविक अर्थ मन की वृत्तियों को शुद्ध करना है। इस दौरान सेवाकेंद्र के बच्चों द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभी उपस्थित भक्तों को आध्यात्मिक भोग वितरित किया गया।

स्वयंसेवियों ने दुजाना गांव में किया श्रमदान

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन स्वयं सेवियों द्वारा श्रमदान किया गया। इसके बाद बौद्धिक सत्र में युवा आइकन व राष्ट्रीय अवार्डी कुमारी नेहा गुलिया ने स्वयंसेवियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवियों को सुमार्ग पर अग्रसित करती है और आपसी भाईचारे को विकसित करती है। उन्होंने कचरा प्रबंधन के निपटान के लिए सभी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने घर से निकलने वाले कचरे को खाद बनाकर बागवानी में इस्तेमाल करने की सलाह दी। दोपहर के सत्र में स्वयंसेवियों द्वारा दुजाना गांव में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर सजनी देवी, डॉक्टर नरेंद्र दहिया के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकाली और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवियों ने ग्रामीणों का कचरा प्रबंधन की जानकारी दी और श्रमदान भी किया।

सरदार अजीत सिंह को किया याद

बहादुरगढ़। आजादी आंदोलन के महान नेता और शहीद भगत सिंह के चाचा सरदार अजीत सिंह को उनकी जयंती पर याद किया गया। इस उपलक्ष्य में नागरिक मंच बहादुरगढ़ की ओर से लाइनपार में नांदल चौक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरदार अजीत सिंह ने लाला लाजपत राय के साथ मिलकर अंग्रेजों के काले कानून के खिलाफ वीरतापूर्वक पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन चलाया था। अंग्रेजों को जमीन अधिग्रण कानून वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया था। इस आंदोलन से हमारा आजादी का आंदोलन तेज हो गया था और अंत में यहां से अंग्रेजों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इतिहास उनका हमेशा ऋणी रहेगा। श्रद्धापूर्वक उनको याद करने के इस आयोजन में जयभगवान, संतराम, नांदल व रामकिशन आदि ने हिस्सा लिया।

भक्ति | प्राचीन खाटू श्याम मंदिर के नजदीक मनभरी देवी ट्रस्ट परसा वाली चक्की में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन

निकलेगा तेरी भक्ति का परिणाम तेरे घर भी आएंगे घनश्याम...

- आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

श्री श्याम परिवार द्वारा प्राचीन खाटू श्याम मंदिर के नजदीक मनभरी देवी ट्रस्ट परसा वाली चक्की में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया। श्याम बाबा का दरबार रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया। आयोजन समिति के सदस्य बिट्टू शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में श्रीधाम वृंदावन से साध्वी पूर्णिमा पूनम दीदी ने अपनी मधुरवाणी से खाटू श्याम के भजनों से गुणगान किया। श्री श्याम परिवार के सदस्यों ने श्याम पूजन किया। प्राचीन खाटू श्याम मंदिर के पुजारी विनय कुमार ने गणेश पूजन कर 16वें श्री श्याम महोत्सव का शुभारंभ किया। पंडित विनय तिवारी ने कहा कि खाटू श्याम, जिन्हें श्याम बाबा के नाम से भी जाना जाता है। खाटू श्याम को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है और उनके प्रति भक्तों की गहरी आस्था है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु खाटू श्याम के जयकारे लगाते रहे। भजन गायक दामिनी पांचाल ने गणेश वंदना, अब तो आकर बांह पकड़ लो, वरना ना मैं गिर जाऊंगा..फागन आयो रे चलों श्याम के द्वारे..साध्वी पूर्णिमा दीदी ने कोई पिछले जन्म के अच्छे कर्म मुझे बाबा तेरा प्यार मिला..जब से बरसाने में आई, मैं बड़ी मस्ती में हूं..निकलेगा तेरी भक्ति का परिणाम तेरे घर भी आएंगे घनश्याम, राधे राधे बोल श्याम आएंगे ,आएंगे श्याम आएंगे...मुझे अपने ही रंग में रंग ले मेरे यार सांवरे..मनोज शर्मा ने लग्न तुमसे लगा बैठे जो होगा देखा जाएगा,तुम्हें अपना बना बैठे, जो होगा देखा जाएगा..साक्षी अग्रवाल ने आज बिरज में होली रे रसिया..मोर छड़ी लहराई रे..मस्ती भरे राधा रानी व खाटू श्याम के भजनों से श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान भजनों पर नाचते हुए श्रद्धालु, श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में भजनों की प्रस्तुति देते हुए साध्वी पूर्णिमा दीदी। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग। फोटो :हरिभूमि

पांडुशिला पर भंडारे का आयोजन

बहादुरगढ़। अनाजमंडी स्थित पक्षीदाना स्थल पांडुशिला के प्रधान सुनील जैन की ओर से रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में समाज के हर वर्ग के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुनील जैन ने कहा कि हमें धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बढचढ़ कर भाग लेते रहना चाहिए। इस तरह के सामाजिक कार्यों से आपसी सद्भाव की भावना भी जागृत होती है। उन्होंने भंडारे में प्रसाद वितरण सेवा कार्य भी किया।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़: कंपनी के बाहर से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। गांव जाखोदा में स्थित एक कंपनी के बाहर से ठेकेदार की बाइक चोरी हो गई। ठेकेदार ने पुलिस को शिकायत दे दी है। पुलिस को दी शिकायत में बिहार मूल के राजदेव का कहना है कि वह यहां टिकरी बॉर्डर पर रहता है। पेशे से ठेकेदार है। गांव जाखोदा में स्थित एक कंपनी में अपनी लेबर लगा रखी है। गत 22 फरवरी को वह कंपनी में लेबर को पैसे देने गया था। अपनी बाइक बाहर खड़ी कर दी। कुछ देर बाद कंपनी से निकला तो बाइक नहीं मिली। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनसीआर माइनर में मिला युवक का शव

बहादुरगढ़। आसौदा थाना क्षेत्र से गुजर रही एनसीआर माइनर में रविवार को एक युवक का शव मिला है। शव सड़ी गली अवस्था में है। पहचान नहीं हो सकी है। पहचान के लिए नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। दरअसल, माइनर किनारे अटके शव पर किसी नागरिक की नजर पड़ी थी। सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पानी से निकालकर नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में रखवा दिया गया। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। पहचान के लिए पुलिस ने तमाम चौकी, थानों में सूचना जारी कर दी है।

रिया बनीं सीए सैल की जिला सह संयोजक

बहादुरगढ़। रिया जिंदल को बीजेपी सीए सैल की झज्जर जिला सह संयोजक की जिम्मेदारी मिली है। यह जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली के मार्गदर्शन में प्रदेश सीए सैल के अध्यक्ष नितिन बंसल द्वारा दी गई है।

रिया जिंदल।

रिया जिंदल बहादुरगढ़ की 23 वर्षीय युवा सीए हैं। रिया ने इस जिम्मेदारी के लिए सीएम नायब सैनी व सीए सैल के अध्यक्ष नितिन बंसल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे झज्जर के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

छह दिन बाद काम पर लौटे सफाई कर्मचारी

बहादुरगढ़। छह दिन की हड़ताल के बाद अनुबंधित सफाई कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। रविवार को इन कर्मचारियों ने शहर में साफ सफाई पर जोर दिया और जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों का उठान भी किया गया। दरअसल, वेतन संबंधित मांग को लेकर बीते सोमवार को अनुबंधित कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी थी। इन कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें तीन महीने से वेतन नहीं मिला है और साप्ताहिक अवकाश भी नहीं मिलता। इस हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने धरना दिया।

आज राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के सभागार में होगा समारोह

राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह को सीएम करेंगे संबोधित, तैयारियां पूरी

■ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान होंगे शामिल, जिला प्रशासन ने किए व्यापक प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय परिसर में राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और किसानों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के भागलपुर में राष्ट्रीय स्तरीय किसान सम्मान समारोह में भाग लेंगे व पीएम-किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करते हुए किसानों के नाम अपना शुभ संदेश देंगे। इस कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से लाइव संबोधन सुना जाएगा।

झज्जर। किसान सम्मान समारोह की तैयारियों का जायजा लेते हुए डीसी प्रदीप दहिया। फोटो: हरिभूमि

सीएम आगमन को लेकर पुलिस ने किया भारी वाहनों का रूट डायवर्ट

सोमवार को राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में सीएम सैनी के कार्यक्रम को लेकर जिला पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए भारी वाहनों का रूट डायवर्ट किया है। प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे से सांय पांच बजे तक बहादुरगढ़ जाने वाले सभी भारी वाहनों को सांपला, बादली या छारा होकर बहादुरगढ़ जाने की सलाह दी गई है। वहीं बहादुरगढ़ से झज्जर आने वाले वाहनों को डाबौदा चौक से ही डायवर्ट किया जाएगा। जिसके लिए वे मांडोठी या बादली होते हुए झज्जर जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के लिए दो पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। बहादुरगढ़ साइड से आने वाले वाहनों के लिए प्रारंभ स्कूल के हॉस्टल परिसर में व झज्जर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए केंद्रीय विद्यालय के गेट नंबर दो के अंदर परिसर में वाहनों की व्यवस्था की गई है। वहीं ड्यूटी पर आने वाले कर्मचारियों के लिए राजकीय बहुतकनीकी संस्थान परिसर में पार्किंग व्यवस्था की गई है।

आयोजन स्थल का डीसी ने किया दौरा

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। डीसी प्रदीप दहिया ने रविवार को आयोजन स्थल व जिस रूट से मुख्यमंत्री आएंगे, उस सड़क मार्ग का दौरा करते हुए तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे, ऐसे में सुरक्षा, यातायात, बैठक व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल पर अन्य सभी आवश्यक प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिसमें किसानों को कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीक, जैविक और प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। किसान विशेषज्ञों से चर्चा कर समस्याओं का समाधान भी प्राप्त कर सकेंगे।

बिजली के खंभों पर फैला तारों का जाल

■ प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई भी नहीं हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बिजली निगम की ओर से लगाए जाने वाले खंभों पर इंटरनेट की तारों का जाल बना हुआ है। शहर के अधिकांश खंभों का यही हाल है। तारों के जाल के कारण अक्सर शार्ट सर्किट के चलते आग लग जाती है। इस तरफ निगम का भी ध्यान नहीं है। दरअसल, ये खंभे केवल बिजली की लाइन के लिए लगाए जाते हैं लेकिन हर तरह से इनका उपयोग हो रहा है। ये खंभे इंटरनेट, टेलीकॉम की तार बिछाने से लेकर प्रचार सामग्री चस्पाने तक का जरिया बन गए हैं। कॉलोनियों में एक-एक खंभे पर सैकड़ों तारों का बोझ है। इनमें से अधिकांश तारें इंटरनेट कंपनियों की हैं।

कायदे से तो इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों को सरकारी खंभों पर तार बिछाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है और किराया भी देना होता है। लेकिन यहां सब अंधाधुंध खेल चल रहा है। इस तरफ कोई ठोस कार्रवाई भी नहीं हो रही।सचिन, विवेक आदि ने कहा कि नीचे से लेकर ऊपर तक खंभे मीटरों, तारों से लदे पड़े हैं। मीटर बॉक्स की ऊचाई भी बेहद कम हैं। इस वजह से

बहादुरगढ़। एक कॉलोनी में खंभे पर बना तारों का जाल।

वाहनों से टकराकर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खंभों पर तारों के जाल के कारण कई बार शार्ट सर्किट से आग लग जाती है। कुछ खंभों की हालत तो ऐसी है कि यदि उन पर फाल्ट हो जाए तो ठीक करने में कर्मचारियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। हादसे का भी डर बना रहता है।

कई बार बिजली कर्मचारियों द्वारा ये तारें काट दी जाती हैं लेकिन कुछ समय बाद फिर से कंपनियों द्वारा लगा दी जाती हैं।

वार्षिकोत्सव में दिखा उत्साह

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चे अपने शिक्षकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल का वार्षिक उत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। बेटी बचाओ.. पर प्रेरक प्रस्तुति दी गई। वहीं नारी सम्मान पर आधारित नाटिका ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उत्सव में नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रिंसिपल ललिता व स्कूल प्रबंधन ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने दीप प्रज्वलित कर वार्षिक उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। वार्षिक उत्सव में बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि आज के बच्चे कल के स्वर्णिम भारत का भविष्य हैं। इसलिए बच्चे मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें। शिक्षा की बदौलत ही आज भारत के युवा देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में सफलता का परचम लहरा रहे हैं, जो हम सबके लिए गर्व की बात है। उत्सव में शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को चेयरपर्सन सरोज राठी ने प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

डॉक्टर प्रदीप को दिल्ली विवि से पीएचडी की उपाधि मिली

झज्जर। क्षेत्र के गांव मांडौठी निवासी डॉक्टर प्रदीप को दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्री द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उनके शोध का विषय हरियाणा में बौद्धिक और विकासात्मक

अक्षमताओं वाले व्यक्तियों और उनके परिवारों के जीवन की गुणवत्ता से संबंधित था। डॉक्टर प्रदीप ने अपने शोध में हरियाणा के छह डिवीजनों के दस जिलों से 290 परिवारों को शामिल किया। जिनमें बौद्धिक अक्षमता से प्रभावित व्यक्ति मौजूद थे। उन्होंने यह अध्ययन किया कि इन परिवारों को किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से इनके जीवन स्तर में कैसे सुधार किया जा सकता है। वर्तमान में डॉक्टर प्रदीप रायपुर स्थित पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के एक कॉलेज में शोध एवं अकादमिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

शिविर में 527 दिव्यांगों को मिले कृत्रिम अंग और उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

चंद्रभान मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से छुड़ानी गांव में आयोजित दो दिवसीय दिव्यांग सहायता शिविर रविवार को संपन्न हो गया। शिविर में 637 लोगों ने पंजीकरण कराया तथा 525 लोगों को कृत्रिम अंग, व्हील चेयर, वॉकर, तिपहिया वाहन, जूते, कानों की मशीन, पोलियो ग्रस्त के लिए कैलिपर्स आदि वितरित किए गए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन सत्यपाल सिंह, ट्रस्टी बिजेंद्र सिंह, शशि बूरा, अनीता सहवाग, श्वेता, जय भगवान, एडवोकेट विनय गोयल, शेखर यादव, एनएस कपूर, जयपाल सांगवान, प्रदीप यादव, डॉ. अजय जैन, सत्येंद्र दहिया, रोहताश शर्मा,

बहादुरगढ़। एक दिव्यांग को व्हीलचेयर भेंट करते आयोजक। कार्यक्रम में मौजूद संस्था के पदाधिकारी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

राजकुमार अरोड़ा, रामनिवास बंसल आदि का योगदार रहा। वक्ताओं ने कहा कि समाज में एक दूसरे की मदद करना हमारा दायित्व है। बहुत से लोग दिव्यांग हैं और जरूरतमंद भी। ऐसे लोगों की मदद करने के लिए हमें कदम आगे बढ़ाने चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ यह आयोजन किया गया था। जिसका काफी लोगों को लाभ मिला है। आगे भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे। चेयरमैन सत्यपाल सिंह ने बताया कि शीघ्र ही यहां पर दिव्यांगों के लिए स्कूल, ट्रेनिंग सेंटर व होस्टल चार एकड़ में बनाया जाएगा। हमारा उद्देश्य विकलांग लोगों को स्वास्थ्य और सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ावा देना है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड के विजेताओं को किया सम्मानित

झज्जर। होनहार विद्यार्थी संस्थान के निदेशक और स्टॉफ के अन्य सदस्यों के साथ।

झज्जर। सिल्वर जोन द्वारा आयोजित अंग्रेजी भाषा का अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में पेस के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पेस ग्रुप के डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि उनके विद्यार्थियों ने अंग्रेजी ओलंपियाड में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 12 स्वर्ण, 17 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं। कक्षा चौथी से आदि गोदारा, कक्षा पांचवीं से कनक, कक्षा छठी से यशिका, कक्षा सातवीं से मनस्वी, इशिका, युवराज, अशिमता, कक्षा आठवीं से हार्दिक जून, चंचल कक्षा नौवीं से कोमल, कक्षा दसवीं से नैन्सी दलाल, कक्षा ग्यारहवीं से प्राची ने स्वर्ण पदक जीता। कक्षा पांचवीं से रिधिमा, कक्षा नौवीं से पारुल यादव, कुणाल, सुहानी, आरुषि, कीर्ति, इशू, भानवी, भूमिका, तक्षय, वाशुदेव, वृंदा, वंश कादियान, हिमांशी, विनय, कक्षा दसवी से जयंत, मंजीत, कक्षा ग्याहरवीं से सुचेता ने रजत पदक जीता। वहीं कक्षा नौवीं से रूपिका, कक्षा दसवीं से अंशुल और कक्षा ग्यारहवीं से कार्तिक ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। डायरेक्टर जय विकास ने इस रिजल्ट का श्रेय विद्यार्थियों शिक्षकों सुमन, मानसी गोदारा, अंशू, ज्योति यादव, योगेश, मोनिका वत्स, हेमंत और पवन की मेहनत को दिया। इस मौके पर प्रबंध निदेशक हरीश, संदीप सहित स्टॉफ के अन्य सदस्यों को होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साइबर फ्रॉड के तीन आरोपियों को नागपुर से किया गिरफ्तार

झज्जर। साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा साइबर फ्रॉड के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय मलिक ने बताया कि बेरी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य सिपाही विकास कुमार की टीम द्वारा दो आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंकुश और वरुण लालेन्द्र मेशराम दोनों ही आरोपी नागपुर महाराष्ट्र के तौर पर की गई है। वहीं एक अन्य टीम ने मुख्य सिपाही मनीषा नेतृत्व में केवाईसी अपडेट करने के मामले में बहादुरगढ़ निवासी एक व्यक्ति के साथ 30 लाख रुपये का फ्रॉड करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सेख मोईन सेख प्यार निवासी नागपुर महाराष्ट्र के तौर पर की गई है। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से तीनों आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

लोगों को दिया प्रदर्शन का निमंत्रण

बहादुरगढ़। सरदार अजीत सिंह को नमन करते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। 25 फरवरी को चंडीगढ़/पंचकूला में प्रस्तावित धरने को सफल बनाने के लिए ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के तहत रविवार को कार्यकर्ता लाइनपार में पहुंचे और लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। लाइनपार का दौरा करने वालों में जगजीत सिंह छिल्लर, सोनू, सौरभ शर्मा, राहुल, प्रदीप, श्याम, मोहन, लालजी तथा रामकिशन आदि शामिल थे। इससे पहले आजादी आंदोलन के क्रांतिकारी योद्धा और पहले किसान आंदोलन के अगवा सरदार अजीत सिंह की जयंती मान सम्मान के साथ मनाई गई। उनके फोटो पर पुष्प अर्पित किए। कमेटी सदस्य रामकिशन तथा लालजी ने बताया कि उनका जन्म एक क्रांतिकारी परिवार में हुआ। उनके बड़े भाई सरदार किशन सिंह ने आजादी आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई तथा कई बार जेल में गए। शहीदे आजम सरदार भगत सिंह सरदार अजीत सिंह के भतीजे थे। सरदार अजीत सिंह ने 1907 में लाला लाजपत राय, सूफी अंबा प्रसाद तथा घसीटा राम के साथ मिलकर देश में पहली बार अंग्रेजों के खिलाफ किसान विरोधी नीतियों को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया। यह आंदोलन पगड़ी संभाल जट्टा के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

जटवाड़ा मोहल्ला में मोटरसाइकिल पर बैठाकर निकाला बेटी का बनवारा

बहादुरगढ़। जटवाड़ा में निकाला जा रहा नैंसी का बनवारा। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जटवाड़ा मोहल्ला में बेटे के दूल्हा बनने पर निभाई जाने वाली रस्म बेटी की शादी में निभाई गई। यहां परिवार की ओर से अपनी बेटी नैंसी सैनी का बनवारा निकाला गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर नैंसी को आशीर्वाद दिया। नैंसी सैनी के पिता नरेंद्र सैनी नगर पालिका सांपला में सेकेट्री हैं व माता नीलम देवी गृहिणी हैं। यह बनवारा नैंसी के चाचा एडवोकेट रवींद्र सैनी व चाची सुनीता ने दिया। लक्ष्य सैनी, गौरव सैनी, महक, राधिका, गरिमा, प्रीति, जयंत यशिका, सांची, रोहित, रचना, अन्नू सहित काफी लोग इस अवसर पर मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

संदेश | निरंकारी मिशन बहादुरगढ़ ने माइनर पर सफाई अभियान चलाया

पर्यावरण प्रेमियों ने माइनर की सफाई की

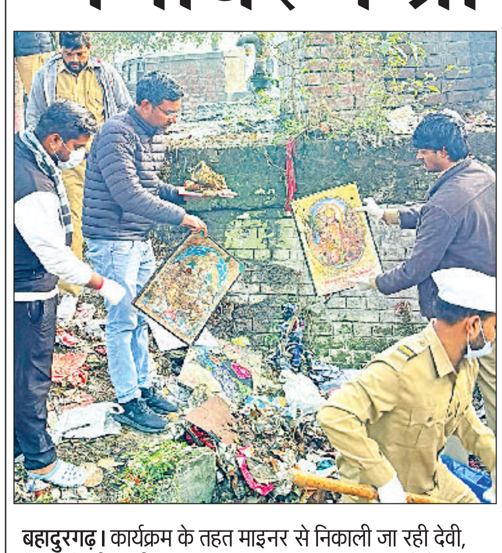
बहादुरगढ़। कार्यक्रम के तहत माइनर से निकाली जा रही देवी, देवताओं की तस्वीर। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को सतगुरु सुदीक्षा की प्रेरणा से निरंकारी मिशन बहादुरगढ़ के द्वारा शहर को पानी सप्लाई करने वाली माइनर पर सफाई अभियान चलाया गया। सेक्टर छह की दूसरी व तीसरी पुलिया पर यह मुहिम चली। पेयजल व सिंचाई माइनर से गंदगी निकाली गई। इनके आसपास भी सफाई की गई। इस सफाई अभियान में संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति और क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट ने भी सहयोगी भूमिका निभाई।

निरंकारी सत्संग भवन सांखोल से दयाल सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष निरंकारी मिशन द्वारा जल स्त्रोतों को देश भर में साफ किया जाता है। इन जल स्त्रोत से ही हमारा अस्तित्व है। जितनी

बहादुरगढ़। अभियान में शामिल संस्थाओं के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भी मानव सभ्यताएं हुई हैं, सभी का उद्भव जल स्त्रोतों विशेषकर नदियों के किनारे हुआ है। लेकिन आज मानव ही इन जीवनदायनी नहरों और नदियों को प्रदूषित कर रहा है। लोग अपने घरों का कूड़ा भी इनमें डाल देते हैं। वे यह नहीं समझते कि यह प्रदूषित जल बाद में सप्लाई के माध्यम से हमारे घरों में ही आना है। एक तरफ तो देश में जल स्त्रोतों की पूजा की जाती है, वहीं दूसरी तरफ लोगों ने इसे कूड़ा घर ही बना दिया है। लोगों को अब इस बारे में चिंतन करना चाहिए। नहरों में गंदगी न डाले और न ही पूजन सामग्री डालें। इन्हें साफ रखने में अपना सहयोग दें। कार्यक्रम के अंत में सभी सामाजिक व्यक्तियों ने भी नहरों को साफ रखने और प्रदूषित न करने की शपथ ली।

दिनेश ने एसीपी ट्रैफिक का कार्यभार संभाला

बहादुरगढ़। अर्जुन अवॉर्डी बॉक्सर दिनेश कुमार ने ट्रैफिक एसीपी बहादुरगढ़ के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। करीब डेढ़ वर्ष पहले भी वह काफी समय तक बहादुरगढ़ के यातायात प्रभारी रहे थे। वे ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ़ सख्ती से पेश आते हैं। पटाखा छोड़ती बुलेट मोटरसाइकिलें और काली फिल्में लगी गाड़ियां उनके मुख्य निशाने पर रहती हैं। एसीपी दिनेश कुमार ने कहा कि बहादुरगढ़ शहर का यातायात सुव्यवस्थित रखना हम सब का दायित्व है और यहां पर पूर्व के कार्य अनुभव के कारण मेरा प्रयास रहेगा कि मैं यहां एक बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था कायम रख सकूं।

एसीपी ट्रैफिक दिनेश कुमार।